# हिमाचल अभी अभी

ABHI ABHI

/himachal.abhiabhi @himachal_abhi

नई सोच नई खोज

साप्ताहिक

प्रभावितों को राशन-गैस सिलेंडर फ्री, तीन महीने का किराया : सीएम सुक्खू -पढ़ें पेज 2


RNI No. HPHIN/2015/68432 वर्ष 10 अंक 14 कांगड़ा। शनिवार, 03 अगस्त-09 अगस्त, 2024 www.himachalabhiabhi.com तदनुसार 19 श्रावण, विक्रमी संवत् 2081 कुल पृष्ठ 12 मूल्य ₹5 | Postal Regn.No. DGPUR/26/24-26


# हरियाली तीज

हरियाली तीज का उत्सव हर साल श्रावण मास में शुक्ल पक्ष की तृतीया को मनाया जाता है। वहीं हरतालिका तीज व्रत भाद्रपद महीने के शुक्ल पक्ष की तृतीया को रखा जाता है।

इस बार हरियाली तीज 7 अगस्त को मनाई जाएगी। इस दिन सुहागिन महिलाएं निर्जला व्रत रखती हैं और भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा करती हैं।

हरियाली तीज श्रावण शुक्ल तृतीया तिथि को मनाई जाती है। इस बार श्रावण शुक्ल तृतीया तिथि 6 अगस्त को 07 बजकर 52 मिनट से शुरू होगी और 7 अगस्त को रात 10 बजकर 05 मिनट तक मान्य होगी। 6 अगस्त को तृतीया तिथि रात के समय में लग रही है, इस वजह से उस दिन तीज का व्रत नहीं रखा जाएगा।

श्रावण शुक्ल तृतीया तिथि की उदयातिथि 6 अगस्त को न होकर 7 अगस्त को है। उदयातिथि की गणना सूर्योदय से की जाती है। श्रावण शुक्ल तृतीया तिथि में सूर्योदय 7 अगस्त को 05 बजकर 46 मिनट पर हो रहा है, इसलिए हरियाली तीज 7 अगस्त को मनाई जाएगी। इस आधार पर हरियाली तीज का व्रत 6 अगस्त को न रखकर 7 अगस्त के दिन रखा जाएगा।

हरियाली तीज का महत्व

हिन्दू धर्म के सभी व्रतों में हरियाली तीज के व्रत को महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त है। इस व्रत को मुख्य रूप से पति की लंबी आयु के लिए किया जाता है। ऐसी मान्यता यह है कि तीज का दिन भगवान शिव और मां पार्वती की उपासना करने के लिए श्रेष्ठ होता है। इस दिन शिव जी और माडु पार्वती के पूजन से सुहागिन महिलाओं को अपने पति की दीर्घायु का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

हरियाली तीज पर सुहागिन स्त्रियां सोलह श्रृंगार करती हैं। इस दिन महिलाओं को मायके से आने वाले वस्त्र ही धारण करने चाहिए, साथ ही मायके से आई हुई श्रृंगार की वस्तुओं का ही प्रयोग करना चाहिए। यह सब हरियाली तीज की परंपरा है। तीज के त्यौहार को साल में तीन बार मनाया जाता है जो इस प्रकार है-हरियाली तीज, कजरी तीज और हरतालिका तीज।

■ पं. कुलदीप शास्त्री